Nearest Railway Station : Patna

Nearest Airport : Patna

VISITING HOURS

8 Hours to 18 Hours

Closed on Monday

समपवर्ती रेल्वे स्टेशन : पटना

समपवर्ती हवाई अड्डा : पटना

८ बजे से १८ बजे तक

सोमवार को बन्द

Price 2.50

मूल्य २.५०

वन एवं पर्यावरण विभाग विहार द्वारा निर्गत
मुद्रित एवं प्रकाशित एडलैण्ड पब्लिसिटी (पी.) लिमिटेड
चित्र : रथीन दास

Issued by Forest & Enviornment Department Bihar
Designed and printed by Adland Publicity Pvt. Ltd.
Photographs : Rathin Dass.

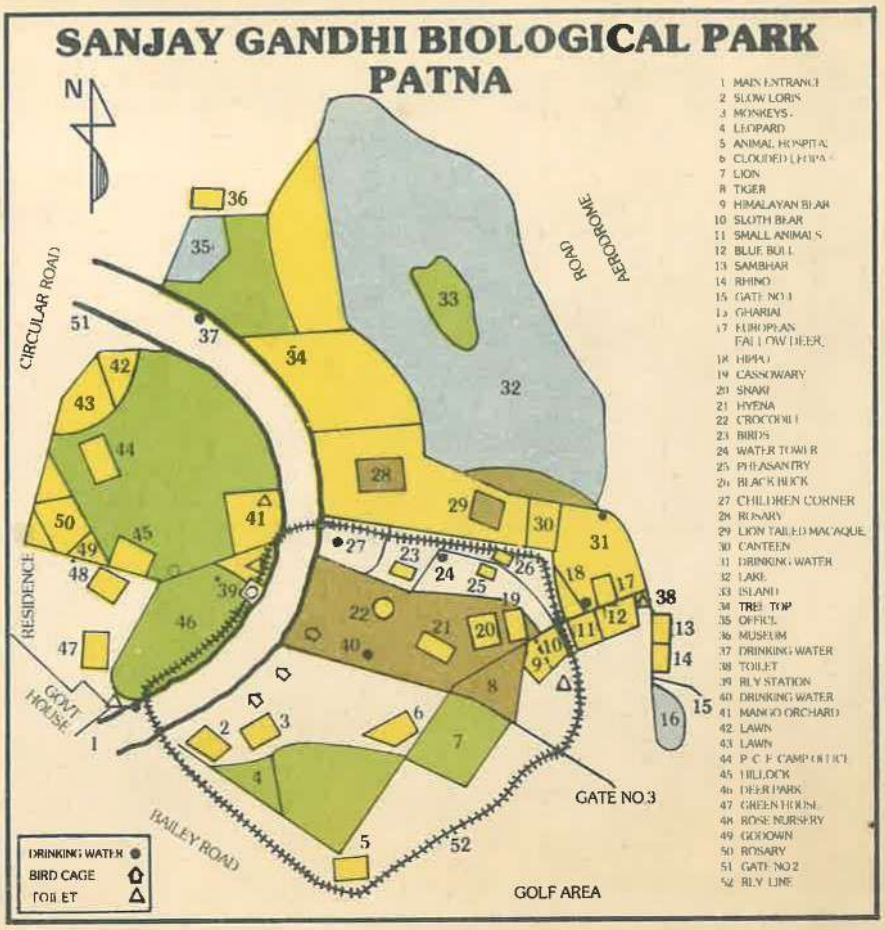

संजय गांधी जैविक उद्यान में वृक्ष के सिरे पर एक घर बना हुआ है। जिस पर से दर्शक जानवरों को बखूबी देख सकते हैं। साथ ही जंगल जैसा रोमांच का अनुभव भी कर सकते हैं।

A Tree Top House is there at Sanjay Gandhi Biological Park to give viewers a scope to see the animals as also a feel of life in jungle.

प्रथम आवरण पृष्ट

यह एक शानदार पीले रंग का थारीदार जानवर है। भारतीय बाघ घने जंगलों में रहने वाला प्राणी है। केप कॉमरीन से लेकर हिमालय यहाँ तक बर्मा तक सर्वत्र इसे पाया जाता है, राजस्थान, पंजाब और कच्छ के मरुस्थलों को छोड़ कर।

Front Cover **The Tiger (Panthera tigris)**

The tiger is a denizen of dense forests. Its range extends from Himalayas to Cape Comorin in India except the desert regions of Rajasthan, Punjab and Cutch. Its range extends to Burma.

द्वितीय आवरण

संजय गांधी जैविक उद्यान में एक 'मिनीट्रेन' है जिस पर चढ़ कर बच्चे आनन्द उठा सकते हैं।

2nd Cover

At Sanjay Gandhi Biological Park there is a Mini Train on which the children can have a joy-ride.

चतुर्थ आवरण भारतीय गेंड़ा

यह आसाम और नेपाल के वैंगलों मे बास करता है। प्रधानतः यह घास खाता है। यह किसी विशेष स्थान पर ही मलत्याग करता है जो कि जमते जमते पहाड़ बन जाता है। कीचड़ में नहाना इसे पसन्द है।

Back Cover **Indian Rhinoceros (Rhinoceros unicornis)**

The rhino inhabits the jungles of Assam and Nepal. Its food consists chiefly of grass. It has a particular place for dropping its excreta, mounds of which accumulate at various places. It is also very fond of mud bath.

The most distinctive character of a pangolin is its armour of protecting scales. The upper part of the head, the back and sides of the body, the whole tail, and the outside of the limbs are covered with large overlapping scales. In defence, the animal curls itself into an armoured ball, exhibiting an enormous muscular power which defies any ordinary attempt to unroll it.

नीलगाय

यह छल्लेदार सींगों वाला भारत का सबसे बड़ा एन्टीलोप है। नर नीलगायों के पीठपर भूरे बाल और केशर होते हैं। सिर पर २ छोटे सींग तथा गले पर गुच्छेदार बाल। मादा नीलगाय का रंग भूरापन लिए पीला होता है। जंगल में छोटे झुंड बनाकर बिचरते हैं। भारत के सूखे समतल इलाकों में इसे पाया जाता है। अभी भी इन्हें राजस्थान, हरियाणा तथा बिहार के समतल इलाकों में बड़े-बड़े झुंडों में बिचरते देखा गया है।

चूंकि इसके नाम के साथ गाय शब्द जुड़ा हुआ है, हिन्दू जनता इसे पवित्र मानती है और इसीलिए आज भी इसका अस्तित्व बना हुआ है।

The Nilgai (Boselaphus tragocamelus)

It is the largest antelope in India. The males have steel grey coat with a short mane, a pair of short horns and tuft on the throat. The females are grey-brown.

The herd size are still seen in Rajasthan, Haryana and parts of Bihar plains.

Because of the epithet 'Gai' attached to it, the Hindus consider it sacred. This has helped the survival of this animal.

सफेद पेलिकन पक्षी

पेलिकन का गला लम्बा, सिर छोटा और पंख मोटा और खुरदरा होता है। पक्षियों में यह सबसे बड़ा पक्षी है। इसकी सबसे बडी विशेषता है इसकी चोंच् जिसके निचले हिस्से में एक थैला होता है जिसे इच्छानुसार बहुत बेड़ आकार में फुलाया जा सकता है। सफेद पेलिकन पानी की सतह पर तैरते तैरते मछली पकड़ कर खाते हैं और मछली पकड़ने के लिये थैले को पानी के भीतर भी जब तब डुबा देते हैं।

The White Pelican (Pelecanus onocrotalus)

The pelican has long neck, small head and thick, harsh plumage. It is among the largest living birds. Its most conspicuous feature is the enormous beak, the lower part of which carries a pouch that can be swollen to grotesque proportions. The white pelicans fish while floating on the surface or wading about in the shallows. They thrust their pouches as dip nets to catch fish.

बज्र कीट

हिमालय के दक्षिण के समतल भूमि और ठलानी स्थानों पर इसे पाया जाता है।

इसकी मुख्य विशेषता इसकी कड़ी परत वाली बचाव की कवच है। सिर का ऊपरी हिस्सा अगल बगल, पीठ तथा पूरी की पूरी दुम तथा शरीर के अन्य बाहरी भाग बड़े बड़े, एक दूसरे से सटी सख्त गोल गोल चकतियों से ढंके रहते हैं। बचाव के लिए यह फुर्ती से गोलाकार हो जाता है और इतना शक्तिशाली बन जाता है कि किसी भी साधारण अस्त्र से उसे काबू करना मुश्किल है।

The Indian Pangolin (Manis crassicaudata)

It inhabits the plains and lower slopes of the hills south of the Himalayas.

In India, it is found in Kashmir, the Himalayas and Assam.

Steep forested hills are the favoured habitat of this bear.

It is the most carnivorous of the bears and many living near villages kill sheep and goats and even larger cattle.

राज धनेश

यह कठोर चोंच का पेड़ों पर रहनेवाला पक्षी है। यह खासकर पश्चिमी घाट और उष्ण कटिबंधीय पूर्वी हिमालय क्षेत्र में पायाजाता है। दुम और पंख सफेद-काले होते हैं तथा खोखला और टेढ़ा कारक। गला भी सफेद मिश्रित काला होता है।

स्वभावतः अत्यंत मिलनसार पक्षी है। छोटे-छोटे पक्षी, चूहे और छिपकिली इत्यादि खाता है। मार्च से जून तक इसके घर बांधने का समय है। धनेश अपनी कर्कश आवाज के लिये विख्यात है।

The Great Pied Hornbill (Buceros bicornis)

It is a heavy billed arboreal bird found in Western Ghats and tropical East Himalayas. It has black-and-white wings and tail, and concave topped casque. It has black-with-white neck.

It is sociable in nature, mainly frugiferous. It also eats lizards, mice and baby birds. Its nesting season is from March to June. The Hornbill is noted for its variety of loud raucous cackling and inane screams.

मोर यह पक्षी भारत में सर्वत्र पाया जाता है। यहाँ तक कि हिमालय के ५००० फीट की ऊंचाई तक भी। नर पक्षी के शानदार रंगीन पंख होते है।

Common Peafowl (Pavo cristatus)

This bird is found throughout India, even upto 5000 ft. in the Himalayas. The male cock has a gorgeous ocellated tail.

Hippo is strictly vegetarian. It takes leafy vegetables, roots, stems that grow near the water. It can stay under water for as long as ten minutes without coming up to breathe.

सुनहरे लंगूर

आसाम के किसी दूर दराज स्थान पर ये दुष्प्राप्य जीव आज भी पाये जाते हैं। सुनहरे बालों वाला यह एक खूबसूरत जीव है। चेहरा काला होता है। बच्चे और मादा चमकदार सफेद से लेकर हल्के सुनहले-पीले रंग के होते हैं।

The Golden Langur (Presbytis entelhes geei)

It is a very rare langur found in small pockets in Assam. It has a beautiful golden coat. The face is black. Young and the females appear silvery white to light golden yellow.

हिमालयन काला भालू

इसके नाम के अनुसार इसका रंग काला होता है। छाती के नजदीक का हिस्सा V के आकार का होता है जिसका रंग सफेद पीला या भूरा कोई भी हो सकता है। भारत में इसे काश्मीर, हिमालय और आसाम में पाया जाता है। जंगल से भरे खड़े पहाड़ियो में रहना पसन्द करता है। भालुओं में यह सबसे अधिक शाकाहारी होता है और गावों के नजदीक रहने वाले इनमें से कुछ तो भेंड, बकरी यहां तक कि बड़े बड़े पशुओंको भी मार डालते हैं।

Himalayan Black Bear (Selenarctos thibetanus)

Its colour as its name indicates is black. It has V-shaped breast — mark which may be white, yellow or buff.

सिंह

यह गुजरात के गिर जंगल में ही सिर्फ पाया जाता है। ये झुंड बना कर रहते हैं तथा लगभग २० वर्ष की आयु तक बचते हैं।

दिन में पेड़ों की छांव में आराम करते हैं और अंधेरा होते ही शिकार की खोज में निकल पड़ते हैं। गिर की जंगल में ये अक्टूबर से नवम्बर के बीच सहवास में लिप्त होते हैं। गर्भधारण साधारणतः ११६ दिन का होता है। बच्चे दो और कभी कभी तीन होते हैं।

The Lion (Panthera leo)

It is found in India, only in the Gir forest in Gujarat. Unlike tigers, lions live in groups. The life span of the lion is twenty years. By day they rest under the shade of trees and at dusk go in quest for hunting food.

In the Gir many lions mate between October and November. The period of gestation is about 116 days. The ordinary litter number two, sometimes three.

दरियायी घोड़ा

यह एक बृहत्तम स्तनपायी प्राणी है जिसका वजन ४ टन तक होता है। यह सुअरों की प्रजाति से सम्बद्ध है। उष्णकटिबंधीय अफ्रीका के नदियों में बास करता है।

यह सम्पूर्ण शाकाहारी प्राणी है। नदी के किनारे उगनेवाले वृक्ष के पत्ते, टहनियां और कंदमूल भक्षण करता है। पानी में १० मिनट तक डूबा रह सकता है।

The Hippopotamus (Hippopotamus amphibius)

It is one of the largest mammals, weighing upto four tons. It is related to pigs. It inhabits the rivers of tropical Africa.

तेन्दुआ

बिल्ली-जाति पशुओं में यह सबसे धूर्त समझा जाता है। यह भारत में सर्वत्र जंगलों में पाया जाता है लेकिन झाड झंरवाड़ और कंदराओं में भी इसे आसानी से फलता-फूलता पाया जाता है।

अकसर मनुष्य के वास-स्थान के आसपास भी इसे रहते देखा गया है जहाँ यह आसानी से कुत्तों, बकरियों और बछड़ों को अपना शिकार बनाता है। हजारीबाग के जंगल में (कोडरमा) कुछकाले चीते भी देखे गये हैं।

Leopard (Panthera pardus)

It is known to be the most cunning of the family of cats. It is found throughout Indian forests and even thrives in open among rocks and scrub.

It is often found in the neighbourhood of human habitation where it can easily prey on dogs, goats and calves. In the forest of Hazaribag (Koderma) a few specimens of black variety have been recorded.

चैटरिंग लोरी

मलेएशिया में पाए जाने वाले तोते की प्रजाति के पक्षी : मुख्य भोजन : केला, सेब, दूध

Chattering Lory

It is found in Malayasia. It belongs to parakeet family of birds. Its main food : Apple, Banana, milk etc.

सांभर

यह भारत का सबसे बड़ा हिरण है। लंका और बर्मा के अलावा दूर दूरान्त के मलेएशिया और फिलिपाइन में भी इसे पाया जाता है।

यह जगलो में बास करता है। इतने वृहत् और भारी जानवर के लिये जंगल में नीरवता से बिचरंण करना एक आश्चर्य की बात है। यह पानी में आसानी से तैर सकता है तथा पानी में तैरने के समय इसका सिर्फ मुख और सींग ही दिखाई पड़ता है।

घास, पत्तियाँ तथा विभिन्न प्रजाति के फल इसका भोजन है।

The Sambar (Cervus unicolor)

This is the largest deer of India. It is also found in Ceylon and Burma, extending eastwards to the Malayan region and the Philippines.

It inhabits deep forests. The capacity of so heavy an animal to move silently through dense jungle is amazing. Sambar takes to water readily and swims with the body submerged, only the face and the antlers showing above.

Their food consists of grass, leaves and various kinds of wild fruit.

Gharial (Gangetic gavialis)/ **The Crocodile** (Crocodilus palustris)

The crocodile is a completely aquatic animal, though it can be seen on the banks of river basking in the sun or laying eggs. It is found in the rivers of India. It is a powerful animal under water. It eats its prey in sizable pieces and allows it to decay before consuming it. The tail is most powerful, one lash of the tail is sufficient to kill a man. It breathes by lungs and hence has to surface for fresh air.

हाथी

हाथी अन्य स्तनधारी जीवों से अपने लम्बे सूंड, वृहत् आकार एवं दांतों की बनावट के चलते बहुत ही भिन्न है। जहां नर हाथी को लम्बे दिखावटी दांत होते हैं, वहाँ मादा को भी बिलकुल छोटे दाँत हो सकते हैं। बिना दिखावटी दाँत वाले नर हाथी को "मकना कहा जाता है।

हाथी का परिवार एक झुंड में प्रायः रहता है जो ५ से ६० तक का हो सकता है। हाथी शुद्ध शाकाहारी होता है। दृष्टि की कमजोरी, उसके सूंघने तथा सुनने की क्षमता से पूरी हो जाती है।

Elephant (Elephas maximus Linnaes)

Elephant is distinctively different from all other mammals in having pendant trunk, curious dentition and its great size. While males have generally large tusks, the females may have very small tusks or none at all. Tuskless males are known as 'Maknas'. A family herd of one comprises of 5-60 elephants. Elephants are purely vegetarian. They suffer from poor sight but this is compensated by highly developed sense of hearing & smell.

ऊद बिलाव

भारत में आसाम से काश्मीर तक के स्वच्छ झरनों में सर्वत्र ऊद बिलाव पाये जाते हैं। उत्तरी अफ्रीका, यूरोप और एशिया के दूसरे भागों में भी ये पाये जाते हैं। इनके शरीर पर घने वाटर प्रूफ रोये होते हैं और दुम भी मोटी और हट्टीकट्टी होती है। झिल्लीदार पैर और चिकने शरीर द्वारा पानी में ये आसानी से तैर सकता है। पानी में रहने वाले छोटे मोटे जीव-जन्तु और मछलियाँ इसकी भोजन है; कुछ कुछ शाक सब्जी भी ये खा लेते हैं।

The Common Otter (Lutra lutra)

The otters are found in India in the fresh water streams from Kashmir to Assam. They are also found in other parts of Asia as well as in Europe and North Africa. It has a dense coat of water proof fur and thick muscular tail. With webbed feet, and a stream linedbody, the animal has got full complement of swimming apparatus. They feed on fish and other smaller aquatic animals and also on other vegetative matter.

मगर/घड़ियाल

घड़ियाल एक सम्पूर्ण पानी में रहने वाला जीव है। इसे कभी कभी नदी के किनारे धूप में पड़े रहते या अंडे देते भी देखा गया है।

भारत की नदियों में इसे बहुतायत से पाया जाता है। पानी के भीतर यह एक अत्यंत शक्तिशाली जीव है। यह अपना शिकार बड़े बड़े टुकड़ो में खा लेता है और उनको गलने के बाद हजम कर जाता है। इसकी पूंछ में अपार शक्ति होती है। पूंछ के एक झटके से ही यह आदमी को खतम कर दे सकता है। यह फेफड़ों से सांस लेता है अतः स्वच्छ हवा के लिये इसे पानी के ऊपर उभरना पड़ता है।

उद्यान का विशद् विवरण :–

क्षेत्रफल :– कुल १५३ एकड़, जिसमें ७५ एकड़ पशु-पक्षियों के लिए बाकी स्थान उद्यान विभाग, खुले स्थान तथा प्रशासनिक कार्यों के लिए निर्दिष्ट हैं।

उद्यान में ४ प्रवेश द्वार हैं।

उद्यान में एक खूबसूरत सरोवर भी है। जहां सितम्बर से जनवरी तक नौका-चालन की सुविधा उपलब्ध है। ग्रीष्म में सरोवर प्रायः सूख जाता है। उद्यान अधिकारी कुछ दुष्प्राप्य प्रजातियों को उद्यान में ही पैदा करवाने (ब्रीड) में सक्षम हुए हैं – यथा धूमिल चीते, टोपीदार लंगूर, सुनहरे लंगूर, तरह तरह की बनमुर्गी।

उद्यान में एक और नया आकर्षण है सर्प-गृह।

यहाँ बालोद्यान की भी स्थापना की जा रही है।

INTRODUCTION

Modern city of Patna stands on the relics of Pataliputra, from where Emperor Ashoka proclaimed that "forests must not be burned, either for mischief or to destory living creatures". He also banned killing of "bats, monkeys, rhinos, porcupines and squirrels".

True to this ideal, in 1968,as a humble beginning towards conservation of Wildlife was set up Patna Biological Park at Rajbhawan Campus, extending over 153 acres. It was formally named as Sanjay Gandhi Park in 1980.

There are about 100 different species of mammals, birds and reptiles in this Park. Besides, a separate Botanical Section is also being developed with plants of different varieties. Sanjay Gandhi Biological Park plays a significant role in educating the people about the need of preservation and conservation of Wildlife, besides providing a recreational centre.

In this boklet has been portrayed 17 inmates of this biological Park, with a descriptive brief note on the mammals, birds and reptiles, so portrayed.

The concept of housing animals and birds in cages for viewers to see is now anti-dated. It is a cruel practice, Attempt has been made at Sanjay Gandhi Biological Park to give its inmates a feel of their own natural habitats, that is their customary surroundings, with enough open space and vegetation.

Area : The area of the Park is 153 acres. About 75 acres of the area is earmarked for Zoo section. The rest is allotted for Botanical section, open spaces and the administrative sectio

There are four entrances to the Park.

The Park has got a beautiful lake where boating facility exists during the months of September to January. The Park authorities have been successful in breeding some of the rarest species like Clouded Leopard, Capped Langur, Golden Langur, Pheasants

A serpentarium is a new addition to the Park.

A 'Children Park' is coming up in the Zoo..

चीतल **Spotted Deer (Axis axis)**

भूमिका

आज का अधुनिक पटना पुराने जमाने के पाटलीपुत्र के ध्वंसावशेष पर खड़ा है जहाँ से सम्राट अशोक ने घोषणा की थी कि उत्पात करने या जीव जन्तुओं को जलाने के उद्देश्य से हो किसी भी हालत में जंगल न जलाए जाये। यहाँ तक कि उन्होंने चमगादड़, बन्दरों, गेड़ों, साही और गिलहरियों तक की हत्या की मनाही कर दी।

इसी आदर्श को ध्यान में रखते १९६८, में वन्य-प्राणियों की रक्षा हेतु शुरुआत के तौर पर पटना में राजभवन के प्रांगण में १५३ एकड़ जमीन पर एक जैविक-उद्यान स्थापित किया गया – १९८० में जिसका नामकरण किया गया संजय गांधी जैविक उद्यान।

इस उद्यान में लगभग १०० प्रजाति के विभिन्न स्तनपायी जीव, पक्षी और सर्पजातीय जन्तु विद्यमान हैं। इसके अलावा अलग से एक वानस्पतिक अंग भी यहाँ स्थापित किया जा रहा है, जहाँ विभिन्न किस्म के पेड़-पौधे विकसित किये जा रहे हैं।

संजय गांधी जैविक-उद्यान साधारण लोगों के लिए एक मनोरंजन का केन्द्र होने के साथ ही वन्य प्राणियों की सुरक्षा और बचाव के लिए लोगों को शिक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

इस पुस्तिका में जैविक-उद्यान में रहने वाले २९ विभिन्न स्तनपायी, पक्षी और सर्प इत्यादि जीव-जन्तुओं का संक्षिप्त विवरण दिया गया है।

पिंजर-बंद पशु पक्षियों को कष्ट होता है। अतः पिंजड़े में बन्द करके उन्हें दर्शकों के सामने उपस्थित करने की प्रथा पुरानी हो गई है। सचमुच यह एक अत्यंत निर्मम प्रथा है। संजय गांधी जैविक उद्यान में आजकल पशु-पक्षियों को मनुष्य के बन्दी के रूप में नहीं बल्कि मुक्त स्थान में आजादी से खेलते-कूदते दिखाना ही हमारा लक्ष्य है।

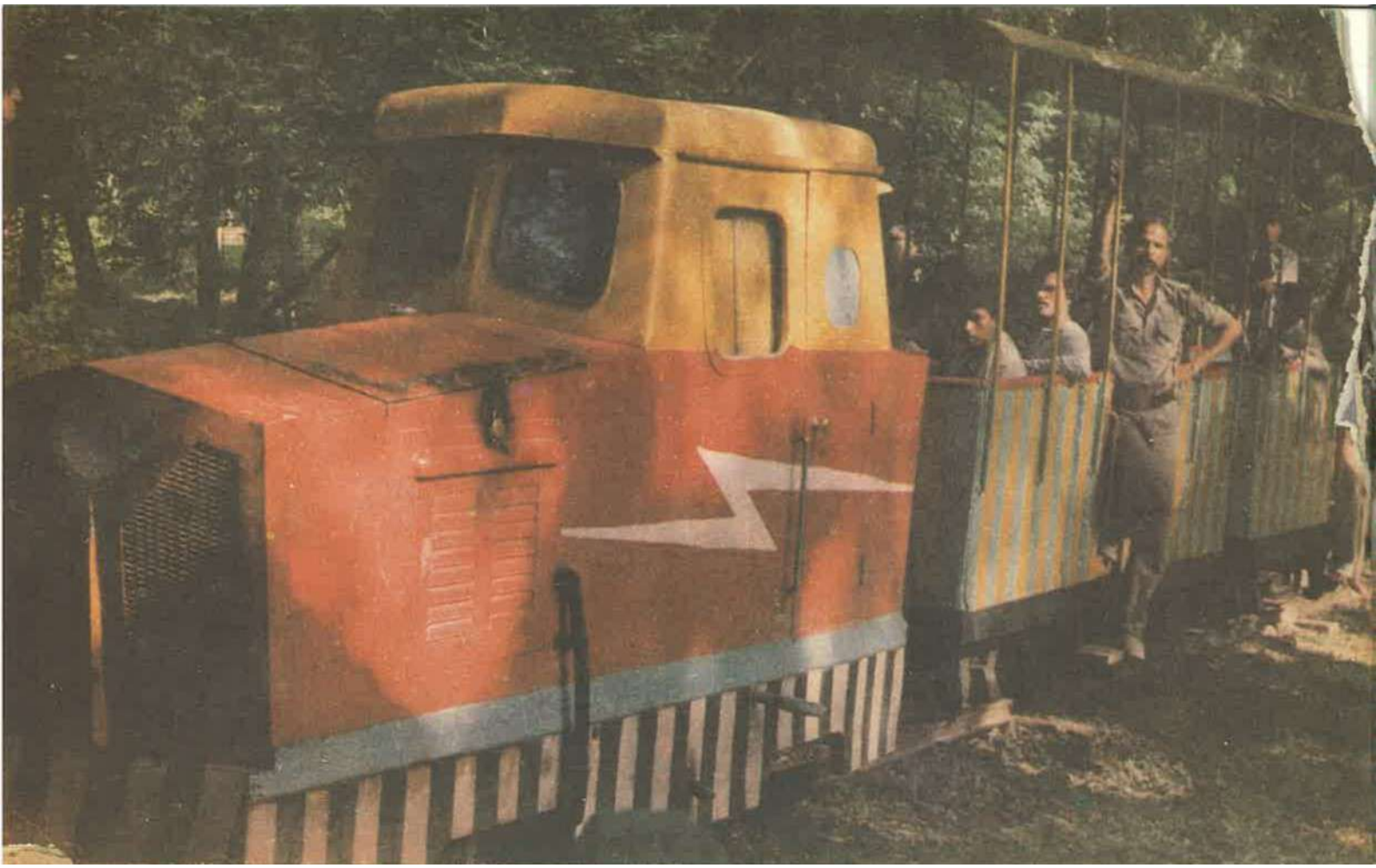

संजय गाँधी जैविक उद्यान, पटना
SANJAY GANDHI
BIOLOGICAL PARK
PATNA